भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2324

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कृषि-पर्यटन का विकास

†2324. श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्राः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का देश में कृषि प्रवास को बढ़ावा देने के लिए कृषि-पर्यटन नीति तैयार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देश में ग्रामीण पर्यटन विशेष रूप से कृषि-पर्यटन की क्षमता का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) 2021 से निष्पादित ग्रामीण पर्यटन परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है और भागीदार संगठनों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार पर्यटन क्षेत्र विशेषकर वायनाड लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं और जनजातीय उद्यमियों को सहायता प्रदान करने के लिए पहल कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटक स्थलों और उत्पादों, जिसमें कृषि-पर्यटन और कृषि प्रवास शामिल हैं, का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। फिलहाल पर्यटन मंत्रालय में कृषि-पर्यटन नीति बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय ने ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतियां और रोडमैप बनाए हैं, जिन्हें राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को भेजा गया है।

पर्यटन मंत्रालय कई पहलों के द्वारा भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। मंत्रालय की जारी गतिविधियों के हिस्से के रूप में ग्रामीण पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं, अर्थात 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह सहायता केंद्रीय वित्तीय सहायता संबंधी

दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों तथा संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर दी जा रही है। स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण और जनजातीय परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) घटक के तहत कुल योजना परिव्यय का 4.3%, यानी ₹103 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें जनजातीय क्षेत्र उप-योजना के तहत ₹88 करोड़ और प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम-जेयूजीए) के तहत ₹15 करोड़ शामिल हैं। खर्च का यह समर्पित मद अनुसूचित जनजाति-बहुल क्षेत्रों में केंद्रित निवेश सुनिश्चित करता है, जिससे सांस्कृतिक संरक्षण, आर्थिक उत्थान और समावेशी पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलता है।

अवसंरचना विकास के अलावा, मंत्रालय ने जनजातीय इलाकों में आजीविका बढ़ाने के लिए खास कदम उठाए हैं, जैसे कि पीएम-जेयूजीए के तहत 'जनजातीय इलाकों में होमस्टे का विकास'। इस पहल का मकसद जनजातीय इलाकों में 1,000 होमस्टे बनाने में मदद करना है, जिसमें गांव की सामुदायिक ज़रूरतों के लिए ₹5 लाख तक, हर घर में दो नए कमरे बनाने के लिए ₹5 लाख तक और मौजूदा कमरों की मरम्मत के लिए ₹3 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी, साथ ही होमस्टे के मालिकों को तकनीकी प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन की सुविधा भी दी जाएगी। इन उपायों का उद्देश्य स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना और पर्यटन से जुड़ी आजीविका पैदा करने में आने वाली प्रणालीगत चुनौतियों का हल करना है। अभी तक, पीएम-जेयूजीए होमस्टे पहल के तहत कोई निधि जारी नहीं की गई है।

केरल सरकार ने बताया है कि वह केरल रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन (केआरटीएम) सोसाइटी द्वारा लागू की गई अपनी महिला-अनुकूल पर्यटन पहल के ज़रिए महिलाओं की सहायता करने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। अक्टूबर, 2022 में शुरू किए गए इस पहल का मकसद केरल को एक सुरक्षित और महिलाओं के लिए अनुकूल पर्यटन स्थल बनाना है, साथ ही इस क्षेत्र में महिलाओं की उद्यमिता और रोज़गार को बढ़ावा देना है। अभी तक 17,000 से अधिक महिलाओं ने इसमें अपना पंजीकरण कराया है और टूर लीडर्स, ऑपरेटर्स, ड्राइवरों, होमस्टे मैनेजर्स और यादगार चीज़ें बनाने वाली इकाइयों को प्रशिक्षण दिया गया है। वायनाड क्षेत्र के जनजातीय इलाकों में कई तरह के प्रशिक्षण और गाँव के जीवन का अनुभव कराने वाले पैकेज दिए गए हैं।

*****

अनुबंध

श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा कृषि-पर्यटन के विकास के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †2324 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण और जनजातीय परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूचीः

ग्रामीण परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा - चंद्रहिया - तुर्कौलिया का विकास	44.27
2.	केरल	ग्रामीण परिपथ 2018-19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35

जनजातीय परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	छत्तीसगढ़	जनजातीय परिपथ 2015-16	जशपुर - कुनकुरी - मैनपाट - कमलेशपुर - महेशपुर - कुर्दार - सरोधदादर - गंगरेल - कोंडागांव - नाथियानवागांव - जगदलपुर - चित्रकूट - तीर्थगढ़ का विकास	96.10
2.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2015-16	जनजातीय परिपथ पेरेन- कोहिमा- वोखा का विकास	97.36
3.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2016-17	मोकोकचुंग - तुएनसांग - मोन का विकास	98.14
4.	तेलंगाना	जनजातीय परिपथ 2016-17	मुलुगु - लकनावरम - मेदवरम - तड़वई - दमारवी - मल्लूर - बोगाथा झरनों का विकास	79.87

*****